लेवी, एक महसूल लेने वाला पापियों को इकट्ठा करता है कि यीशू से मिलें।

जो बच्चो को पढ़ाते है अवश्य पढ़े व अध्ययन करें S5b

1. अपने हृदय और मन को परमेश्वर के वचन के लिए तैयार करें।

प्रार्थना: ''प्रभु यीशु आप लोगों को और परिवारों को हर स्थान पर तैयार करें कि आपके पीछे चल सकें। कृपया हमारी मदद करे कि ऐसे लोगो के समूहों में हम मिल सके।''

मरकुस 2:14-17 यीशू कैसे पापियों से उनके घरों में मिलते हैं।

- यीशु महसूल लेने वाले के विषय में क्या सोचते हैं? *(आयत 14)*
- यीशू को किसने अपने घर निंमत्रण दिया था कि खाना खायें? *(आयत 15)*
- लेवी ने और किन लोगों को अपने घर आमंत्रित किया था? *(आयत 15)*
- यीशू और वे सब पापी इकठ्ठे बैठकर क्या कर रहे थे? *(आयत 16)*
- किस प्रकार के लोगो को यीशू पश्चाताप के लिए बुलाते है? *(आयत 17)*

ढूंढें प्रेरितो के कार्य 10-24-33 में कि पतरस किस प्रकार खोजने वालो के घर जाकर उनसे मिलते हैं।

- कुरनिलियुस ने किस प्रकार के लोगों को अपने घर आमन्त्रित किया था? *(आयत 24)*
- पतरस की कौन सी नई शिक्षाएँ है अविश्वासियों के बारे में *(आयत 28)*
- कुरिनिलियुस को क्यों भेजा गया था कि वह पतरस को अपने घर आने को कहे? *(आयत 30-32)*
- कुरनिलियुस ने क्यों पतरस को आमंत्रित किया कि वह बताये, उसके सम्बंधियो और मित्रों को। *(आयत 33)*

ढूढे प्रेरितो के कार्य 28:30-31 में पौलुस किस प्रकार बुलाने वालो का अपने घर में स्वागत करता है और वहाँ सिखाता है।

- रोम में पौलुस किराये के मकान में कब तक रहा?
- जब वह लोगों से बातचीत कर रहा था. तब उसके पास कौन आया?

ढूंढे 1 कुरिन्थियों 14:24-26 में कि किस प्रकार अविश्वासियों से व्यवहार करें जब वह आपके समूह में आते हैं।

- समूह में कितने लोगों को बोलने की अनुमति दी जाये और किस प्रकार उनके साथ भागी हो बातचीत करने में?

- विश्वासी किस प्रकार की बाते उनसे कहें?

नोट: इस समूह में कोई भी विश्वासी भविष्यवाणी कर सकता है। सरल शब्दो में ऐसे शब्दों को प्रयोग करे जो तसल्ली और प्रोत्साहित करने वाले हो, दूसरों को (1 कुरन्थिसुय 14:3)

- जब विश्वासी समूह में बोलते हैं उसको सुनकर परमेश्वर अविश्वासियों के हृदय में क्या कार्य करता है?

छोटे समूहों में विश्वासी दो मुख्य बाते आसानी से कर सकते हैं।

1. **नये विश्वासी** आसानी से अपने साथ अपने अविश्वासी मित्रों व सम्बन्धियों को इन छोटे समूहों में इकठ्ठा करके प्रभु यीशु के बारे में सीख सकते हैं जिस प्रकार जकई ने, मत्ती और कुरनिलियुस ने किया, लूका 11:1-10, मत्ती 9:9-13 और प्रेरितो 10:22-24 में।
2. **प्रौढ़ विश्वासी** आसानी से अभ्यास करें ''एक दूसरे को प्रेम से सेवा करने की आज्ञा दें यह छोटा कार्य काफी है कि जिसमें प्रत्येक को सुन सके और इसमें सक्रिय रूप से भाग ले सकें। नये विश्वासीयों को शायद शर्म महसूस हो, इसलिए जब तक वे तैयार नहीं हो जाते जबरदस्ती उन्हें बोलने को न कहें।

फिर भी साधारण रूप से छोटे समूहों में मिलना या घरों की कलीसियायें यह नहीं तय कर पाती कि वे समूह में ये दो कार्य कर पायेंगे। कभी कभी तो, विश्वासी जो निष्क्रिय हैं केवल सुनते हैं, परम्परिक कलिसियायों में जाकर, या केवल पारम्परिक तरह की कक्षाओं की जानकारी है जो अन्त: बदलाव पर ध्यान नहीं देती, अपने साथ वे कमियाँ छोटे समूहों में भी ले आते हैं।

2. अपने सह कार्यकर्त्ताओं के साथ आने वाले सप्ताह के लिए कार्यक्रमों की योजनायें बनायें।

- अगर अविश्वासी व्यक्ति सीखना चाहता है, तो उनके पास जायें और उनसे कहें कि दूसरे लोगों को भी अपने घर बुलाने को आयोजन करे जिससे यीशू के बारे में सुन सके।
- अगर यहाँ कलीसियायों में नये विश्वासी हैं, उनके पास जाये और कहें कि वे आपने अविश्वासी मित्रों और सम्बन्धियों को अपने घर यीशू के बारे मे सुनने को बुलायें।
- इन्हीं से सम्बन्धित ''समूहों को इकठ्ठा करें'' और पुराने नियम की कहानी सुनायें जो उन्हें यह समझने में सहायता करेगी कि केवल एक सच्चा और पवित्र परमेश्वर हमारी प्रार्थनाओं को सुनता है और वह सर्वशक्तिमान है अन्य सभी आत्माओं से उदाहरणत: बाढ़ को लें (उत्पत्ति 6:5-22) सदोम का विनाश (उत्पत्ति 18:20 से 19:29 तक) और बाल के मूर्तिपूजक पूजारी (1 राजा 18)
- इसी से सम्बन्धिक एक कहानी यीशू के बारे में जो यीशू के प्यार व क्षमा के बारे में बतायें, जैसे आपने ऊपर भाग1 में अध्ययन किया है।
- लोगों को निस्तर मिलने के लिये बुलायें।
- आयोजन करने वाले के साथ मिलकर उन लोगों का स्वागत करें जो आते हैं एक दूसरे को आमने सामने बैठायें सुनियोजित ढंग से सहभागिता करें।
- नीचे दिये गये सुझाव से घरो में सभाओं का आयोजन करे।

छोटे समूहों में, कुर्सियो का प्रबन्ध करे, या दूसरा बैठने का प्रबन्ध करे जिससे लोग एक दूसरे से आसानी से बात चीत कर सकें।

क्या अच्छा है कुर्सियो को पंक्ति बद्ध रखें, जिससे लोग एक दूसरे के पीछे से सिर देख सके, या लोग एक दूसरे के आमने सामने बैठे? *(जवाब: लोग एक दूसरे से आसानी से बात चीत कर सकते हैं और अच्छी रीति से सुन सकते है जब वह कुर्सियों पर एक दूसरे के आमने सामने बैठें।)*

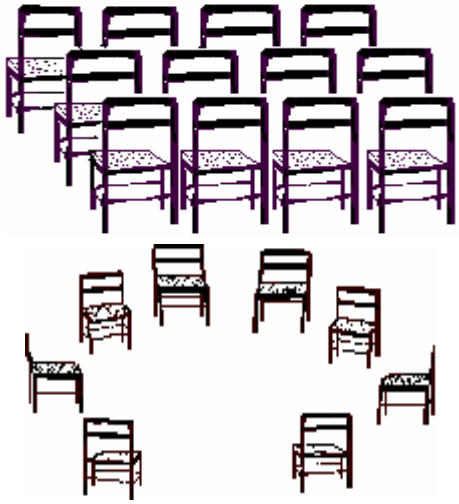

3. अपने सह कर्त्ताओ के साथ आराधना को कैसे बेहतर बनायें इसकी योजना बनायें।

आपके समूह की चालू आवश्यकताओं के अनुसार कार्यक्रम को चून लें।

बच्चे अपना नाटक व प्रश्नावली जो उन्होंने तैयार किये है प्रस्तुत करें।

पढ़े या बतायें याद की हुइ कहानियॉ जैसे ऊपर भाग (1) में दी गई हैं और वही प्रश्न पूछें।

आप पढ़ सकते हैं और टिप्पणी कर सकते हैं

फिलिप्पी में रहने वाले जेलर के परिवार के इकठ्ठा होने पर प्ररितों 16:22-34

प्रार्थना आराधना में सभी सुसमाचार प्रचारको के घर जहाँ पर प्रार्थना सभा आयोजित की जाती है प्रार्थना करें।

पुनरिशक्षण सिफारिश करें उन सभी सुसमाचार प्रचारको के घरों के लिए जहाँ सभायें होती है (नीचे देखें)

गवाहियों तथा रिर्पोट के लिए कहें जहाँ अभी हाल ही में सुसमाचार प्रचारक के घर सभा का आयोजन हुआ।

प्रभु भोज आरम्भ करने के लिये प्ररितो 2:43 पढ़े और समझायें कि प्रथम कलीसियायें प्रभु भोज को घरों में कैसे मनाती थी।

दो और तीन का समूह बनायें। प्रार्थना करें योजनाओं की पुष्टि करें और एक दूसरे को प्रोत्साहित करें।

इकठ्ठे मिलकर याद करें 1 कुरन्थियों 14:24-25

अगर आप अगुवों को प्रशिक्षण दे रहें हैं नये शिष्य वृन्द को भी और अभी तक नहीं पढ़ा पी-टी अध्ययन करें ओ एफ प्रशिक्षण ले रहे नौसिखिये चरवाहों के लिए मार्गदर्शी सिदधांत कृपया अभी ज़रूर पढें।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net